भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 347

04 फ़रवरी, 2025 को उत्तर के लिए नियत

"हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण"

347. **श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी**:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम इंडिया) योजना के तहत देश में दो, तीन और चार पहिया वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी बढ़ाकर कार्बन ईंधन पर निर्भरता कम करने की योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो उक्त वाहनों के लिए किए गए बजटीय आवंटन का वाहनवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए देश के सभी पेट्रोल और डीजल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए कोई समय-सीमा तय की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख):भारत में इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण और अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिए, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने और वाहनों के उत्सर्जन के मुद्दों को हल करने के

उद्देश्य से भारी उद्योग मंत्रालय ने 2015 में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक व्हीकल्स इन इंडिया (फेम इंडिया) स्कीम शुरू की। फेम-I स्कीम 31.03.2019 को समाप्त हो गई। इसके अलावा, फेम इंडिया स्कीम का चरण- II 11,500 करोड़ रुपये की कुल बजटीय सहायता के साथ 01 अप्रैल, 2019 से 5 वर्षों की अवधि के लिए कार्यान्वित किया गया था। फेम-II स्कीम 31.03.2024 को समाप्त हो गई थी।

भारी उद्योग मंत्रालय वर्तमान में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के द्रुत गति से अंगीकरण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और देश में ईवी विनिर्माण इको-सिस्टम के विकास के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए सब्सिडी प्रदान करने के लिए अभिनव वाहन संवर्धन (पीएम ई-ड्राइव) स्कीम में पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन को कार्यान्वित कर रहा है। 01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2026 तक दो वर्षों की अवधि में इस स्कीम का परिव्यय 10,900 करोड़ रुपये है।

पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खंडवार आवंटन नीचे सारणीबद्ध है:

इलेक्ट्रिक वाहन खंड पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत समर्थित है	**आवंटित बजट (राशि करोड़ रुपये में)**
ई-दुपहिया	1772
ई-तिपहिया ई-रिक्शा और ई-कार्ट	192
ई-तिपहिया(एल5)	715
ई-एम्बुलेंस	500
ई-ट्रकों और अन्य उभरते हुए ईवी	500
ई-बसें	4,391

(ग): जी नहीं.

(घ):(ग) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न ही नहीं उठता।

******